# बंद पड़ी घड़ियां लाती हैं दुर्भाग्य, जानें घड़ी से जुड़े ये वास्तु टिप्स

**आपने सुना होगा कि वास्तु, फेंगशुई विशेषज्ञ द्वारा अक्सर बताया जाता है कि कमजोर बैटरी सेल होने से धीमी गति से चलने वाली घड़ियां गृहस्वामी के भाग्य की गति को भी धीमा कर देती हैं, तथा व्यापार अथवा ऑफिस की गतिविधियों को भी बाधित करती हैं। दीवार पर टंगी बंद घड़ी प्रगति के रुकने की सूचना देती है। आइए जानते हैं, घर घड़ी और खुशियों के बारे में ...घड़ी को घर, कार्यालय, ऑफिस, व्यापार स्थल में वास्तु सम्मत सही स्थान पर लगाना प्रगति का सूचक एवं शुभ होता है। समय निरन्तर गतिमान रहता है, इसलिए गतिमान घड़ी सही दिशा में लगी होने से उस घड़ी को देखने वाले का भाग्य भी गतिमान रहता है। घर, कार्यालय, ऑफिस की दीवार पर बंद, रुकी हुई घड़ी नहीं लगी होनी चाहिए। अगर बैटरी से चलने वाली घड़ी का सेल कमजोर है अथवा खत्म हो गया है तो उसे तुरन्त नया सेल लगाकर चालू करें। अगर घड़ी खराब है, तो घड़ी को ठीक करवाएं, नहीं तो खराब घड़ी को कबाड़ी को बेच दें। अक्सर देखने में आया है कि लोग अपनी पुरानी घड़ियों से भावनात्मक लगाव रखते हैं, या फिर किसी अच्छी तस्वीर के साथ घड़ी के जुड़े होने से लोग उन बंद घड़ियों को घर से हटाना नहीं चाहते हैं। जीवन में निरन्तर प्रगति चाहने वालों को किसी भी सूरत में घर में खराब घड़ी अथवा बन्द घड़ी रखने से बचना चाहिए।**

दक्षिण दिशा के स्वामी मृत्यु के देवता यमराज को माना गया है, इसलिए दक्षिण दिशा की ओर लगी घड़ी में समय देखना अशुभ माना जाता है। दक्षिण दिशा में कभी भी घड़ी नहीं लगानी चाहिए, इस दिशा में घड़ी लगाने से घर से सदस्यों की उन्नति बाधित होती है और घर के मुखिया का स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

दरवाजे के ठीक ऊपर भी घड़ी को न लगाएं, दरवाजे पर घड़ी लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है जिससे कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार दीवार पर घड़ी लगाने की सबसे शुभ दिशा है, पूर्व और उत्तर क्योंकि पूर्व दिशा और उत्तर दिशा को वृद्धि की दिशा माना गया है, इसलिए घर, कार्यालय, ऑफिस में प्रगति के लिए घड़ी को पूर्वी दीवार अथवा उत्तरी दीवार पर ही लगाना चाहिए जिससे जब भी आपको समय देखना हो तो आपकी नजर पूर्व या उत्तर की दीवार पर ही पड़े।

सही दिशा में पेंडुलम वाली घड़ी लगाना शुभ माना गया है, इससे उन्नति के नए अवसर प्राप्त होते रहते हैं।

अक्सर देखा गया है, कुछ लोग अपने घर की घड़ी को कुछ मिनट पीछे अथवा कुछ मिनट आगे कर देते हैं। घड़ी को कुछ मिनट पीछे करने वालों का तर्क है, कि ऐसा करने से वे कुछ समय पूर्व घर से निकलकर गन्तव्य तक बिना देरी के पहुंच जाएं। फेंगुशई के अनुसार घर की घड़ी का समय से पीछे चलना अच्छा नहीं माना जाता, इसलिए घड़ी का समय हमेशा सही होना चाहिए, समय आगे या पीछे नहीं होना चाहिए, सही समय वर्तमान में रहना भी सिखाता है जो प्रगति के लिए आवश्यक है।

वास्तु फेंगशुई के अनुसार कार्य क्षमता को बढ़ाने एवं घर की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए मधुर संगीतमय घड़ी शुभ दिशा में लगानी चाहिए। मधुर संगीत वाली घड़ी लगाने से सकारत्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और घर में घड़ी की मधुर ध्वनि खुशियों में वृद्धि करती है।

## दुकान की गद्दी पर है शिव का वास, धन लाभ के लिए इन उपायों को आजमाकर देखें

जिस गद्दी पर बैठकर दुकानदार व्यापार करता है, उस गद्दी पर बैठकर भोजन आदि नहीं करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार गद्दी पर बैठकर भोजन करने से गद्दी झूठी हो जाती है, जिसके कारण व्यापार में धन का अभाव दिखाई देता है। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे खास उपाय जो दुकानदार और नौकरीपेशा लोग आजमाते हैं तो उनके पेशेवर जीवन में तरक?की होती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह-चाल मानव जीवन को प्रभावित करती है और उपाय ग्रहों की चाल को प्रभावित करते हैं। आज आपको कुछ प्रभावशाली उपायों के बारे में बताएंगे, ये उपाय भले ही देखने में छोटे लगें, परन्तु पूर्ण श्रद्धा-विश्वास के साथ करने पर उपायों की शक्ति से आपके बिगड़े काम बनने लगेंगे।

**व्यापार की रक्षा के लिए-** व्यापारी के लिए जिस स्थान पर बैठकर वह व्यापार करता है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। बैठने वाले स्थल को गद्दी कहा जाता है, गद्दी का अपना महत्व और मर्यादा होती है। गद्दी को भगवान शिव जी के बैठने का पूज्यनीय स्थान माना गया है। दुकान की गद्दी पर खाना और सोना नहीं चाहिए तथा नकद पेटिका या कैश काउन्टर पर पैर रखकर नहीं बैठना चाहिए। इससे बरकत समाप्त होने लगती है और धंधा मंद पड़ जाता है। अतः व्यापार की रक्षा, धन-लाभ एवं समृद्धि के लिए व्यापारी को दुकान की गद्दी पर बैठकर भोजन नहीं करना चाहिए।

**व्यापार में निरन्तर प्रगति के लिए-** व्यापार में निरन्तर प्रगति के लिए प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर, आटे की लोई बनाकर गाय को खिलाएं। अधिक लाभ के लिए ब्रह्ममुहूर्त में किए गए इस उपाय के बाद सोना नहीं चाहिए।

**कार्यों में सफलता हेतु-** दुकान खोलने से पूर्व मुख्य द्वार के दोनों तरफ गंगाजल छिड़कें, ऐसा करने से व्यवसाय में वृद्धि और प्रतिदिन के कार्यों में सफलता मिलती है।

**कार्य की पूर्णता के लिए-** किसी कार्य पर जाने से पहले घर के दरवाजे पर चुटकी भर नमक गिराकर जाएं, कार्य पूर्ण होने की संभावना बढ़ जाती है।

**पूजा के पूर्ण फल की प्राप्ति हेतु-** आपने जो पूजा की है उसके पूर्ण फल की प्राप्ति हेतु पूजा शुरू करने से पहले और समाप्ति के बाद जिस आसन पर आप बैठे हैं उसे प्रणाम करना न भूलें। साथ ही आसन छोड़ने से पहले आसन के नीचे जल छोड़कर माथे से अवश्य लगायें।

**निराशा को दूर करने के लिए-** सुगंधित फूल, चंदन की लकड़ी, इत्र आदि वस्तुओं को घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। इन वस्तुओं के सुगन्धित प्रभाव से निराशा, तनाव, उत्साहहीनता की स्थिति दूर होती है।

**घर में सम्पन्नता के लिए-** घर में सम्पन्नता के लिए प्रतिदिन सूर्योदय के समय उठकर मुख्य द्वार के पास जल अवश्य छिड़कना चाहिए।

**पारिवारिक अशान्ति को दूर करने हेतु-** पारिवारिक अशान्ति को दूर करने के लिए रविवार की रात को सोते समय, चांदी या स्टील के गिलास में थोड़ा कच्चा दूध डालकर बिना ढके सिरहाने के पास रख कर सो जाएं। सोमवार की सुबह इस दूध को कीकर (बबूल) के पेड़ पर चढ़ा आएं। बबूल का पेड़ आसपास न होने पर किसी भी पेड़ पर अर्पण करें।

**लक्ष्मी प्राप्ति हेतु-** लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए ''रात की रानी'' और ''हरश्रृंगार'' अपने घर के पूर्व अथवा उत्तर दिशा में लगाकर लाभ अर्जित करें। इनकी सुगंध लक्ष्मी को आकर्षित करने के साथ ही शुक्र ग्रह को भी बलवान करती है। शुक्र ग्रह बलवान होने से धन की कभ कमी नहीं रहती।

## क्या कहते आपके सितारे

**मेष** मित्रों के परामर्श पर गम्भीरता से ध्यान दें। सन्तान को लेकर कुछ परेशानी होने की आशंका है। गृह निर्माण के कार्य तेजी से पूर्ण होंगे। प्रेम सम्बन्धी मामलों में निराशा हाथ लग सकती है। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त होगा।

**वृषभ** इस समय नया कार्य शुरू करना उचित नहीं है। एसिडिटी के कारण पेट व सीने में जलन की समस्या हो सकती है। योग और प्राणायाम करना उत्तम होगा। निजी रिश्तों को लेकर गम्भीर रहें। काम न बनने के कारण मन निराश हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं।

**मिथुन** विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रिलेशनशिप के मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। आज आप कुछ दिनों की छुट्टियों को लेकर योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन कारोबार में बड़ा लाभ मिल सकता है। लोग आपके ऊपर काफी निर्भर हो सकते हैं।

**कर्क** व्यर्थ की गतिविधियों में समय नष्ट न करें। महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसीलिये लापरवाही से बचें। कमीशन से जुड़े मामलों के लिये दिन बहुत अच्छा है। अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी होगा। बड़े भाई-बहनों को लेकर थोड़े चिन्तित हो सकते हैं।

**सिंह** आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बितायेंगे। कारोबार में सबकुछ आपके अनुसार ही होता प्रतीत होगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज आप बेहद आनन्दित रहने वाले हैं। मित्रों से लम्बी बातचीत हो सकती है।

**कन्या** जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नशीले पदार्थों का सेवन न करें। दाम्पत्य सम्बन्धों के लिये समय अवश्य निकालें। कोई जरूरी निर्णय अचानक लेना पड़ेगा। यात्राओं के लिये आज का दिन सुखद नहीं रहेगा। सहयोगी आपसे किसी बात को लेकर असहमत हो सकते हैं।

**तुला** परिवार की जरूरतों पर धन खर्च करना पड़ेगा। प्रेमी जन की भावनाओं की कद्र करें। दोपहर के बाद शुभ समाचार मिल सकते हैं। भारी उद्योगों से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ हो सकता हैं। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धैर्यपूर्वक किये गये कार्यों में सफलता मिलेगी।

**वृश्चिक** जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिये हितकर होगा। दूसरों की बातों को ज्यादा तूल न दें। व्यावसायिक लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जायेंगे। सन्तान की उन्नति से गौरवान्वित महसूस करेंगे। नये घर या जमीन में निवेश सकते हैं।

**धनु** आज आपके काम रुक-रुक कर होंगे। शत्रु पक्ष अचानक से आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकता है। अनावश्यक खर्चे नियन्त्रित रखें। आपको पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिये। लोग आपके विरुद्ध गलत धारणा बना सकते हैं। काल्पनिक विचारों से दूरी बनाकर रखें।

**मकर** आपको अपने मान-सम्मान की चिन्ता रहेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी लेकिन आप किसी कारण इससे प्रसन्न नहीं रहेंगे। अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को किसी से शेयर न करें। रक्तचाप की समस्या होने की आशंका है। भोजन और दिनचर्या अनुशासित रखें।

**कुंभ** अपना मन हर स्थिति में शान्त रखें। घर के लोग आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। इस समय सारी परिस्थितियाँ आपके अनुकूल हैं। जीवनसाथी आपके एक अच्छे मित्र की भूमिका निभायेगा। अपने मन की बातें जीवनसाथी से साझा कर सकते हैं।

**मीन** स्वास्थ्य काफी अच्छा और सन्तुलित रहेगा। यदि मन में किसी प्रकार का कोई भय था तो वह दूर हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति मन में सम्मान और आदर का भाव उत्पन्न होगा। किसी बड़ी समस्या का समाधान होने से निश्चिन्त होंगे।

# नौतपा में करें सूर्य देव की उपासना

## कब से लग रहा है नौतपा, इन 9 दिनों में आग उगलेगा आसमान

**गर्मी धीरे-धीरे अपना प्रचंड रूप धारण कर रही है। मई के महीने के 9 दिन तापमान सबसे अधिक होगा और उस अवधि को ज्योतिष में नौतपा कहा जाता है। नौतपा का आरंभ 25 मई को होगा और सूर्य व पृथ्वी के बीच की दूरी इस वक्त सबसे कम हो जाएगी। आइए जानते हैं इसके महत्व के बारे में विस्तार से। नौतपा का आरंभ इस साल 25 मई से होगा, जब सूर्य आग उगलना आरंभ करेंगे। नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा। सूर्य 25 मई को सुबह को 3 बजकर 16 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और उसके बाद 2 जून को 7 जून को सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में जाएंगे। शुरू के 9 दिन सबसे भीषण गर्मी होने की वजह से इसे नौतपा कहते हैं। इन 9 दिन को सबसे ज्यादा भीषण गर्मी पड़ेगी।**

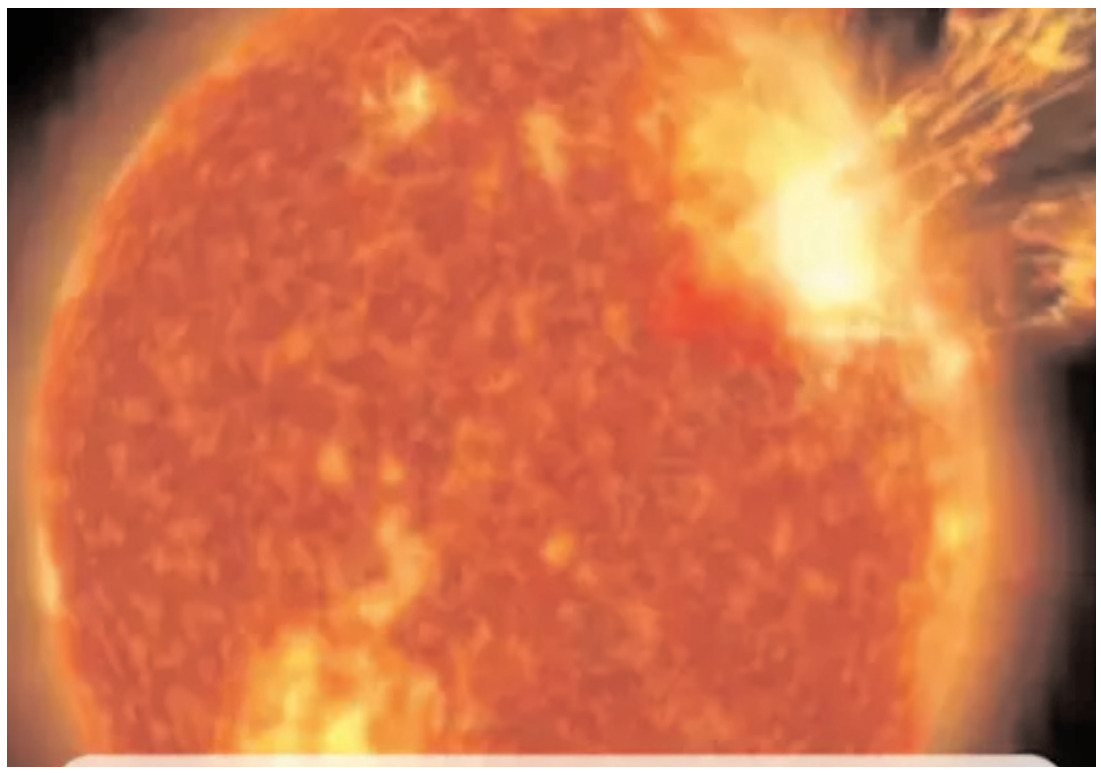

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल ज्येष्ठ मास की शुरुआत में नौतपा आरंभ होता है। नौतपा 15 दिनों का होता है, लेकिन शुरू के 9 दिन सबसे अधिक गर्मी पड़ने की वजह से इसे नौतपा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह नक्षत्र 15 दिन रहता है लेकिन, शुरू के 9 दिन नौतपा कहलाते हैं। इन दिनों में तापमान सबसे अधिक रहता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसका यह है कि मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य और पृथ?वी के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। सूर्य की किरणें इन दिनों सीधे धरती पर पड़ती है, इसलिए गर्मी इन दिनों में सबसे अधिक होती है।

नौतपा में करें सूर्य देव की उपासना नौतपा के दौरान सूर्यदेव अपनी प्रचंड मुद्रा में होते हैं इसलिए इस वक्त सभी को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। ऐसा करने से आपके परिवार के सभी लोग इस भीषण गर्मी के दौरान भी स्वस्थ रहते हैं। सूर्य की पूजा से जुड़े उपाय करने से आपको लाभ होता है और सुख समृद्धि बढ़ती है। इस दौरान जल, दही, दूध, नारियल पानी और ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए और साथ ही इन वस्तुओं का दान भी करना चाहिए।